पाना था जो पा लिया ।
खुशियों का खज़ाना पा लिया।
अविनाशी रूहानी प्यार मिला।
जीने की कला का ज्ञान मिला।
अपने को खोया वो ही पा लिया
फिर क्या रहा जो पाने को दिल भटक रहा।
खोया स्वराज्य अपना पा लिया।
सृष्टि के रचता को जान लिया।
उसके रचना का ज्ञान मिला।
शांति है अपना ही स्वधर्म
उसमे रहने का स्वमान मिला।
विश्वव का राज्य भाग्य मिला।
प्रभु का दिल से सम्मान मिला।
मुक्ति जीवन मुक्ति का वरदान मिला।
अविनाशी प्यार मिला।
देव संस्कार मिले।
गुणों के भंडार मिले।
ज्ञान अनमोल रत्न मिले।
त्रिकालदर्शी त्रिनेत्री बने।
त्रिलोकीनाथ बने।
पूज्य बने महान बने।
ईश्वर के सर ताज बने।
परमपिता मिला।
दिल्तख्त अकालतख्त विश्वतख्त मिला।

कुछ बसहा जो अब तक माथा पटक रहे।
सुख शांति के लिये एक दो को झटक रहे।
गीता का सच्चा ज्ञान मिला।
रूहानी बाप मिला।
सन्मुख साकार ब्रह्मा पिता का प्यार मिला।
बापदादा का दृष्टि का प्रेम रस पान मिला।
वरदानो के सुंदर हार मिले।
पाप पुण्य का अभिज्ञान हुआ।
आत्मा के मैल मिटी।
कंचन तन और मन मिला।
स्वर्ग का राज्य पाट मिला।
21 जन्म हेल्थ वेल्थ हैप्पीनेस की सौगात मिली।
अकाले मृत्यु से मुक्ति मिली।
अमर भव विजय भव का वरदान मिला।
मीठा मधुर प्यारा पिता ब्रह्मा बाप और शिव बाप मिला।
मिला मिला बहुत बहुत रूहानी याद प्यार मिला।
शुक्रिया बाबा हमे आप सा मीठा सिकेलदा बाप मिला।
एक परमेश्वर में पूरा संसार मिला।
माता पिता बंधू सखा का परिवार मिला।
खुदा दोस्त का साथ मिला।

जीवन नाव पार का खिवैया मिला।
पतित् से पावन बनाने वाला मिला।
पा लिया बस जो पाना था।
प्रभु आया संगम पर बहुत बड़ा उपहार मिला।

ॐ शांति